पाली व मालड़ा के बच्चों ने बनाए साइंस मॉडल

नारनौल. विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति आरसी कुहाड़।

भास्कर न्यूज | नारनौल

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा शुक्रवार को यूनिवर्सिटी द्वारा गोद लिए गए गांव पाली व मालड़ा के 10वीं, 11वीं तथा 12वीं कक्षा के बच्चों द्वारा तैयार किए गए विज्ञान के मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई गई।

इस मौके पर सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने विधिवत विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्ग दर्शन में आज के समय की जरूरतों को समझते हुए बायोगैस उत्पादन, व्यर्थ पानी का उपयोग, ग्लोबल वार्मिंग और मूल वैज्ञानिक अवधारणाओं पर आधारित वर्किंग मॉडल तैयार किए। इस अवसर पर मॉडलों का अवलोकन कर कुलपति ने बच्चों से उनके संचालन बारे में पूछा। इस दौरान प्रो. नवल किशोर, डॉ. सोमा शर्मा, डॉ. तनुज समेत विभिन्न संकायों के अध्यक्ष व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोद लिए गांवों के बच्चों ने विवि में प्रस्तुत किए मॉडल

संवाद सहयोगी, महेन्द्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा शुक्रवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के करकमलों द्वारा किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों पाली व मालड़ा के दसवीं, ग्यारहवीं तथा बारहवीं कक्षा के बच्चों को आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए प्रो. कुहाड़ ने कहा कि इस विज्ञान प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों में विज्ञान के प्रति आकर्षण व जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने आगे बताया कि यह एक शुरुआत है, भविष्य में विश्वविद्यालय में इस प्रकार के और अधिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदर्शनी में रसायन विज्ञान, भौतिकी, पर्यावरण अध्ययन विज्ञान, सूक्ष्मजीव विज्ञान विषयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में आज के समय की जरूरतों को समझते हुए वर्किंग मॉडल तैयार किए जो ऊर्जा उत्पाद जैसे बायोगैस उत्पादन, व्यर्थ पानी का उपयोग, ग्लोबल वार्मिंग और मूल वैज्ञानिक अवधारणाओं पर आधारित थे। इनका उद्देश्य था – हरियाली अपनाएं तथा ऊर्जा बचाएं। इनके माध्यम से यह दर्शाया गया कि अपने आसपास उपलब्ध संसाधनों का हम किस प्रकार सदुपयोग कर सकते है।

यह प्रदर्शनी प्रो. नवल किशोर की देखरेख में आयोजित की गई, जिसमें डॉ. सोमा शर्मा एवं डॉ. तनुज ने सक्रिय भूमिका निभाई। कुलपति महोदय का हवाला देते हुए प्रो. नवल किशोर ने कहा कि हमें विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक का मार्गदर्शन प्राप्त होने का सौभाग्य मिला है, जिससे प्रेरणा पाकर हम अवश्य ही विज्ञान के संबंध में और बड़े कार्यक्रम आगे आयोजित करेंगे। प्रदर्शनी में विद्यालय के आगंतुकों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने शिरकत की।